सत्यमेव जयते

उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास
मंत्रालय भारत सरकार

Where there is Rural Wellbeing
there is Universal Prosperity

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण
शिक्षा परिषद

संकाय संवर्धन केंद्र

(पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा मिशन)

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

हैदराबाद

द्वारा आयोजित

ऑनलाइन शिक्षक विकास कार्यक्रम

विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और उच्च शैक्षिक संस्थानों के शिक्षक शिक्षा विभाग के शिक्षकों के लिए

"अनुभवजन्य शिक्षण पद्धति- गांधीजी की- नई तालीम"

(पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा मिशन)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, भारत सरकार

(पीएमएमएमएनएमटीटी के तहत सभी कार्यक्रम पदोन्नति के लिए मान्य हैं
- 18 जुलाई, 2018 को यूजीसी अधिसूचना कैस के अनुसार)

- *विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में काम कर रहे शिक्षकों का शैक्षणिक उन्नयन*
- *शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में नवीनता ,नवाचार और विकास।*
- *उच्च शिक्षा में कार्यरत शिक्षकों की भूमिका, उनकी जिम्मेदारी के क्षेत्र और अनुभवात्मक अधिगम और ग्रामीण सहभागेदारी |*

11 से 15 मई 2020

पंजीकरण: https://forms.gle/SRkpJox9XaQHcxvy5 ईमेल: naitalimfdpmgncre@gmail.com

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद का परिचय

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद का मुख्य कार्य अनुभवजन्य शिक्षा, गाँधी जी की नई-तालीम का संवर्धन करना है। हम भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अन्तर्गत कार्यदायी हैं और उच्च शिक्षा के साथ मिल कर ग्रामीण भारत में जन सहभागिता बढ़ाने का प्रयास करते हैं। एम.जी एन.सी.आर.ई. भारत में विश्वविद्यालयों और स्वायत्त संस्थानों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले उच्च शिक्षा कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम उत्पादक सामग्री की रचना, विकास और प्रसार करता है। उच्च शैक्षिक प्रवाह हेतु एम .जी एन. सी. आर. ई. में ग्रामीण अध्ययन, ग्रामीण विकास, ग्रामीण प्रबंधन, सामाजिक कार्य और शिक्षा शामिल हैं। पाठ्यक्रम के निविष्टियां सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों क्षेत्रों से संबंधित हैं।

दृष्टि : ग्रामीण भारत के निर्माण की प्रक्रिया में भारत के उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए अर्थात्, "उत्कर्ष ग्राम उन्नत भारत के लिए" कार्य करना |

उद्देश्य : सतत, जलवायु और आपदा प्रबंधन और स्थिति-स्थापक ग्रामीण आजीविका के विकास हेतु पाठयक्रम का निर्माण और मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों को तैयार करना और चिन्हित करना है|

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, ग्रामीण उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम और इसमें सम्मलित शिक्षक गणो को समर्थ बनाना चाहती है| पदाधिकारियों का सशक्तीकरण करने से एक अच्छा परिणाम प्राप्त होगा। ग्रामीण संस्थानों की क्षमता निर्माण और व्यवसायीकरण, कौशल विकास, उद्यमशीलता, आजीविका, सामुदायिक पहल, स्थानीय समूहों की रचनात्मकता और सक्रिय विकास प्रक्रिया के पारस्परिक सम्बन्धों का शोध करना एम.जी.एन.सी.आर..ई. की मुख्य विषय वस्तु है। एम.जी.एन.आर.सी.ई. के पाठ्यक्रम विकास कार्यक्रमों में मुख्य रूप से संकाय विकास कार्यक्रम, कार्यशालाएं और गोलमेज सम्मेलन शामिल हैं। अपने सक्रिय और निरंतर अनुसंधान और प्रशिक्षण प्रयास के उत्तरदायित्व के साथ , एमजीएनसीआरई को देश के विभिन्न हिस्सों में शुरू किए गए अनुसंधान परियोजनाओं को सफल व नवीन ऊँचाई की ओर ले जाना है।

एमजीएनसीआरई ने अपने हैदराबाद परिसर में भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग में पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा मिशन के तहत एक फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर (FDC) की स्थापना की है, ताकि अनुभवजन्य शिक्षा (गांधी जी:नई तालीम) और उद्देश्यपूर्ण शिक्षा से संबंधित मुद्दों पर सभी केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालय शिक्षकों के विकास की जरूरतों को पूरा किया जा सके।

पीऍमएम्एम्एनटीटी-एमजीएनसीआरई के उद्देश्य

- शिक्षक शिक्षा के संकाय सदस्यों को अनुभवजन्य शिक्षण पद्धति (गांधी जी की नई तालीम) का अभ्यास सुनिश्चित कराना |
- विभिन्न विभागों के शिक्षकों को ग्रामीण समुदाय सहभागी तकनीकों में सशक्त बनाना|
- शिक्षकों को क्रियात्मक अनुसन्धान पर आधारित शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में संलग्न करने में सक्षम बनाना|

एफडीपी के बारे में

अनुभवजन्य शिक्षा - गांधीजी की नई तालीम

महात्मा गांधीजी की नई तालीम का दर्शन अनुभव के द्वारा सीखने पर ध्यान केंद्रित करता है| गांधीजी की नई तालीम पाठ्यक्रम और कौशलों का अनुभवात्मक ज्ञान प्राप्त करने और सीखने की गतिविधियों में भाग लेने के माध्यम से तीन -एच के प्रभाव पर आधारित है। यह प्रणाली छात्र शिक्षक के लिए प्रासंगिक रूप से उपयुक्त गतिविधियों को तैयार करने में मदद करेगी; शिक्षक शिक्षा में स्थानीय सामुदायिक जुड़ाव से संबंधित पहलुओं की पहचान करना; शिल्प के मॉडल, उद्यमशीलता के लिए शिल्प और आत्मनिर्भरता के लिए खोज; विविध पृष्ठभूमि के लोगों का स्वागत करके वैश्विक नागरिकता का अभ्यास करना, प्रतिभागियों को तार्किक रूप से तैयार करना, अनुभवात्मक सीखने / कार्य शिक्षा कैसे छात्रों को आजीवन शिक्षार्थी बनाने में मदद करेगा और इस दृष्टिकोण को संशोधित करेगा । अनुभवात्मक शिक्षण के माध्यम से शिक्षा का उद्देश्य अच्छी तरह से जीवन में धारित किया जाता है।

उद्देश्य

1. कार्य और शिक्षा के संबंध स्थापित करना |
2. श्रम की गरिमा की अवधारणा के पहलुओं को पहचानना और उत्पादक कार्यों में भागीदारी सुनिश्चित कराना|
3. नई तालीम और अनुभवात्मक अधिगम पर गांधी जी के विचारों से अवगत कराना|
4. सामुदायिक भागीदारी के विभिन्न पहलुओं को जानना।
5. सामुदायिक कार्यों के विभिन्न तरीकों की पहचान करना जैसे- आस-पास के समुदायों के साथ स्कूल
6. नई तालीम की अनुभवजन्य शिक्षा के क्षेत्रीय भागीदारी घटक का संचालन करना|

अधिगम प्रतिफल:

इस कार्यक्रम में सहभागिता के उपरान्त प्रतिभागीगण निम्नलिखित हेतु सक्षम होंगे-

- ✓ कार्य शिक्षा से अवगत होंगे |
- ✓ प्रतिभागीगण श्रम और उत्पादक कार्यों में सहभागिता के लाभकारी पक्ष के गरिमा को पहचान सकेंगे|
- ✓ विद्यालयी सहभागिता के उचित तरीकों का प्रयोग कर सकेंगे|
- ✓ पड़ोसी समुदाय अनुभवात्मक अधिगम प्रविधि का प्रयोग(नई तालीमऔर क्षेत्र सहभागिता)शिक्षण में कर सकेंगे|
- ✓ क्षेत्र सहभागिता को कर सकेंगे

ऑनलाइन एफडीपी के लिए प्रतिभागियों के लिए निर्देश:

1. पंजीकरण फॉर्म भरना अनिवार्य है।
2. प्रमाण पत्र जारी करने के लिए सभी सत्रों में उपस्थिति अनिवार्य है।
3. सभी सत्र ऑनलाइन मंच पर आयोजित किए जाएंगे |
4. एक दिन पहले आईडी और पासवर्ड प्रदान किया जाएगा।
5. सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट और प्रमाणपत्र की मूल प्रति जारी की जाएगी।
   सीमित सीटें "पहले आओ पहले पाओ" के आधार पर उपलब्ध हैं|
6. प्रतिभागियों को वेब कैमरा, माइक्रोफ़ोन और हेडफ़ोन के साथ लैपटॉप / डेस्कटॉप पर काम करना होगा |
7. निर्बाध इंटरनेट कनेक्टिविटी आवश्यक है|
8. ईमेल अकाउंट का कार्यकारी होना आवश्यक है|
9. केवल वे प्रतिभागी जिनको "लिंक" प्रदान किया जाएगा, वे ही एफडीपी के साथ जुड़ सकते हैं|
10. FDP सभी 5 दिनों पर 11.00 बजे शुरू और शाम 4.00 बजे तक निरंतर चलेगा । दोपहर के भोजनावकाश का समय 1.00 से 2.00 बजे तक है।
11. 10 मई (सत्र के पहले दिन), से शुरू होने वाले हर दिन एक 3 घंटे का पोस्ट सेशन प्रोजेक्ट असाइनमेंट(गृह कार्य) होगा|

आयोजक समिति:

कोर समिति: श्रीमान डॉ.डब्ल्यू.जी.प्रसन्ना कुमार जी- अध्यक्ष, श्रीमती मनीषा कारपी, श्रीमती अनसुइया वेमुरी

सदस्य: श्रीमती संध्या तूती, श्री बी.एस.सी.नवीन कुमार, श्रीमती हरिता, श्रीमती मनीषा

कार्यक्रम अनुसूची

दिनांक	समय	प्रकरण	विशेषज्ञ
11 मई सोमवार	पूर्वाहन 11:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक	नई तालीम और अनुभवजन्य शिक्षा: गांधीजी के शिक्षा पर विचार - टॉल्स्टॉय फार्म, फीनिक्स आश्रम और सेवाग्राम प्रयोग, नई तालीम के मूल सिद्धांत - नई तालीम की समकालीन प्रासंगिकता ।; अनुभवात्मक अधिगम: अर्थ और अवधारणा कार्य और क्षमता निर्माण का लेन-देन: कौशल निर्माण के रूप में इंटर्नशिप, शिक्षुता, शारीरिक कार्य और सेवा सीखने और अभ्यास के अवधारणा और शैक्षिक निहितार्थ; कदम, सावधानियों के बाद, उपकरण और उपकरणों का उपयोग और रख रखाव	डॉ. अनिल कुमार दुबे
12 मई मंगलवार	पूर्वाहन 11:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक	कार्य और शिक्षा: कार्य की अवधारणा - अर्थ, कार्य और श्रम, कार्य और आजीविका का महत्व; कार्य शिक्षा: शिक्षा में भागीदारी और भागीदारी के उद्देश्य, सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक मूल्य; स्कूल के पाठ्यक्रम में कार्य और सेवा: सावधानियाँ, कदम, उपकरण और बर्तन का उपयोग, शारीरिक कार्य, स्वयंसेवा, स्काउट और गाइड, एन.सी.सी और एन.एस.एस।	डॉ. अनिल कुमार दुबे
13 मई बुधवार	पूर्वाहन 11:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक	सामुदायिक सहभागिता और प्रायोगिक अधिगम: सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन: विद्यालय शिक्षा समितियों और अन्य ग्रामीण समूहों के साथ सहभागिता, ग्रामीण समुदाय / विद्यालयों के साथ सहभागिता सामुदायिक शिविर; भारत की शिल्प परंपराओं को समझना और शिक्षा में उनकी प्रासंगिकता; एक शैक्षणिक उपकरण के रूप में पारंपरिक शिल्प; स्कूल के कार्य और त्यौहार; स्कूल प्रबंधन समितियां: स्थानीय व्यवसायों का अध्ययन करने के लिए सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए अभिभावक -शिक्षक सम्मेलन , शिक्षक और माता-पिता सम्पर्क|	डॉ. अनिल कुमार दुबे
14 मई बृहस्पति	पूर्वाहन 11:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक	सीखना और सिखाना- गार्डनर का बहु बुद्धि के सिद्धांत के आधार पर शिक्षार्थियों को बहु बुद्धि के दृष्टिकोण से समझाना। भावनात्मक अवधारणा सहित बुद्धि की बदलती अवधारणा के सन्दर्भ में शिक्षण और सीखने के निहितार्थ; मानव अधिगम के सन्दर्भ में: व्यवहारवादी (कंडीशनिंग प्रतिमान), संज्ञानात्मक, सूचना प्रसंस्करण दृश्य, मानवतावादी, सामाजिक रचनाकार (पियाजे, वायगोत्स्की के विचारों का चयन करना)।	डॉ. अनिल कुमार दुबे
15 मई शुक्रवार	पूर्वाहन 11:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक	ज्ञान और पाठ्यक्रम: शिक्षकों की गतिशील पाठयक्रम अनुभवों के निर्माण में भूमिका के माध्यम – (अ). पाठयक्रम उद्देश्यों की लचीली व्याख्या; (बी)। सीखने का प्रासंगिकता; और (स) सीखने के विविध अनुभव।	डॉ. अनिल कुमार दुबे

पंजीकरण लिंक: https://forms.gle/SRkpJox9XaQHcxvy5

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें-

Ms. Manisha Karape / Ms. S Haritha Phone: 9912864443/ 8008370387
Email:manisha.mgncre@gmail.com, harithashibu93@gmail.com